Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

हिन्दी

कृतिका (गद्य खंड)

अध्याय-1 : इस जल प्रलय में (फणीश्वरनाथ रेणु)

भाग - 6

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

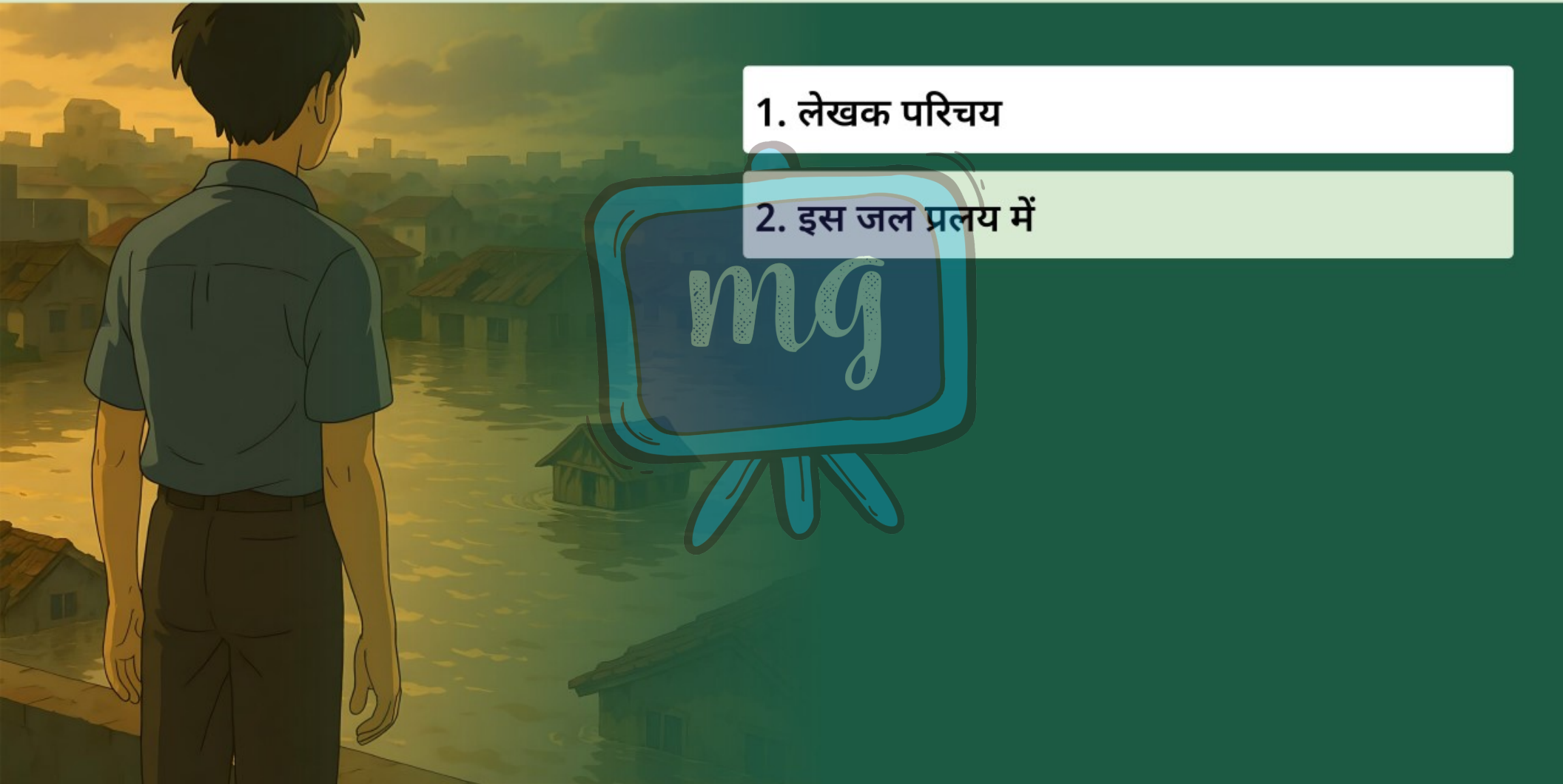

1. लेखक परिचय
2. इस जल प्रलय में

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

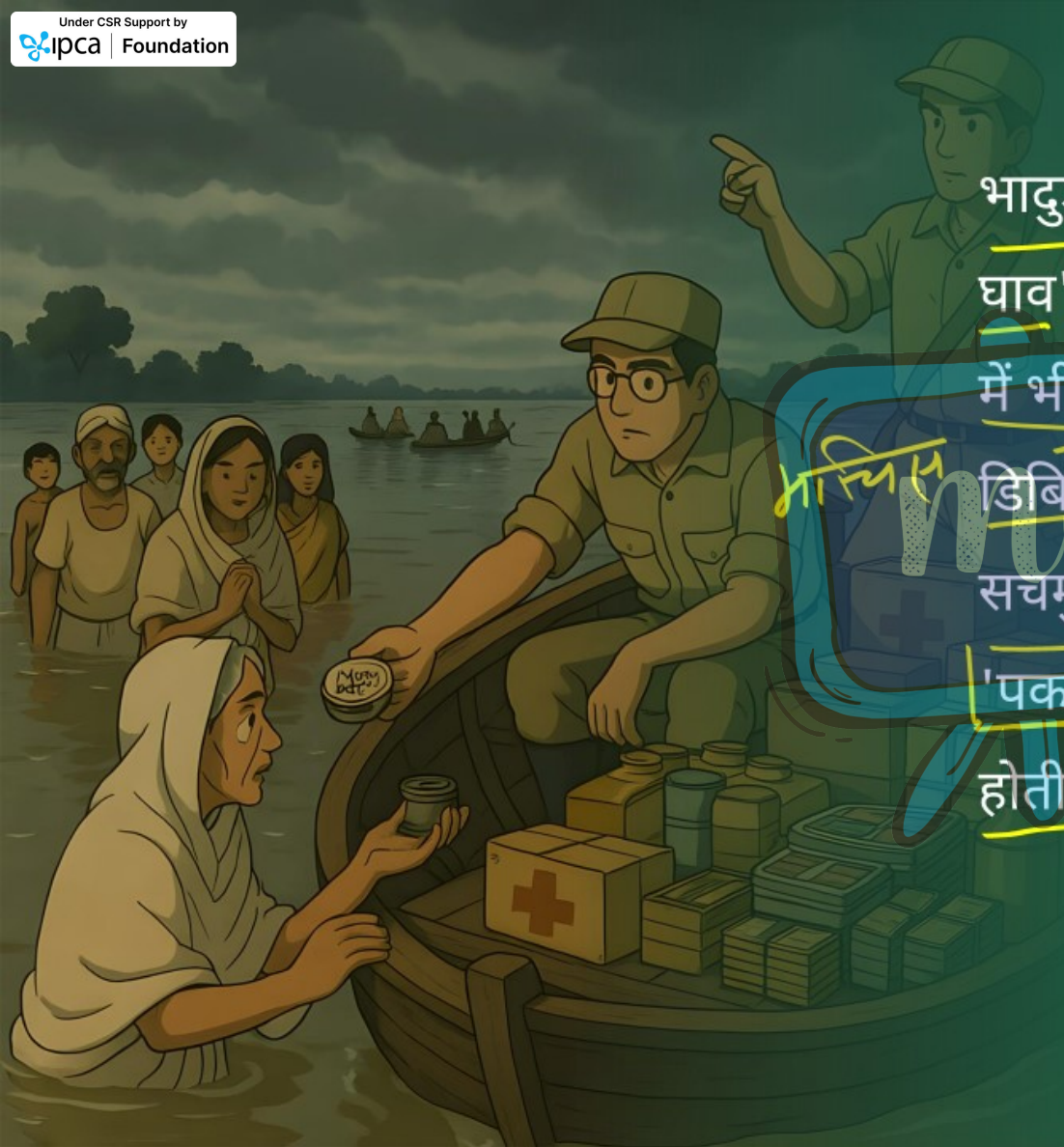

भादुड़ी जी की हिदायत थी हर नाव पर 'पकाही घाव' (पानी में पैर की उँगलियाँ सड़ जाती हैं। तलवों में भी घाव हो जाता है) की दवा, दियासलाई की डिबिया और किरासन तेल रहना चाहिए और, सचमुच हम जहाँ जाते, खाने-पीने की चीज़ से पहले 'पकाही घाव' की दवा और दियासलाई की माँग होती...

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1947 - बंगाल नदी

1949... उस बार महानंदा की बाढ़ से घिरे बापसी थाना के एक गाँव में हम पहुँचे। हमारी नाव पर रिलीफ़ के डॉक्टर साहब थे। गाँव के कई बीमारों को नाव पर चढ़ाकर कैंप में ले जाना था।

एक बीमार नौजवान के साथ उसका कुत्ता भी 'कुंई-कुंई' करता हुआ नाव पर चढ़ आया। डॉक्टर साहब कुत्ते को देखकर 'भीषण भयभीत' हो गए और चिल्लाने लगे "आ रे! कुकुर नहीं, कुकुर नहीं ... कुकुर को भगाओ!"

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बीमार नौजवान छप से पानी में उतर गया "हमार कुकुर नहीं जाएगा तो हम हुँ नहीं जाएगा।“फिर कुत्ता भी छपाक पानी में गिरा-"हमारा आदमी नहीं जाएगा तो हम हुँ नहीं जाएगा"... परमान नदी की बाढ़ में डूबे हुए एक 'मुसहरी' (मुसहरों की बस्ती) में हम राहत बाँटने गए।

मुसहरी – एक जाति (आदिवासी) जो दोने, पत्तलें आदि बनाने का काम करती है

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

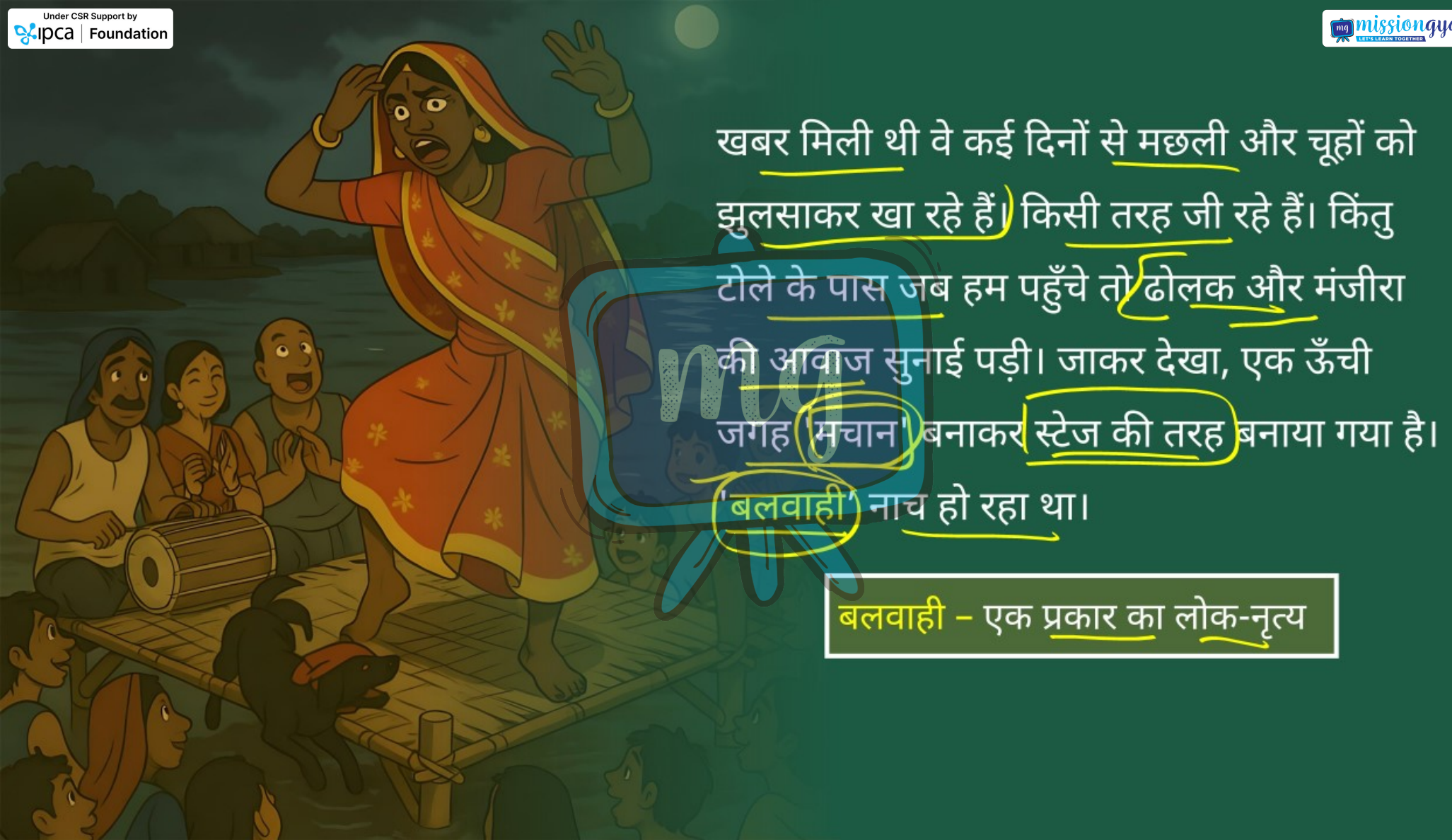

खबर मिली थी वे कई दिनों से मछली और चूहों को झुलसाकर खा रहे हैं। किसी तरह जी रहे हैं। किंतु टोले के पास जब हम पहुँचे तो ढोलक और मंजीरा की आवाज सुनाई पड़ी। जाकर देखा, एक ऊँची जगह 'मचान' बनाकर स्टेज की तरह बनाया गया है। 'बलवाही' नाच हो रहा था।

बलवाही – एक प्रकार का लोक-नृत्य

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



बलवाही नाच

लाल साड़ी पहनकर काला-कलूटा 'नटुआ' दुलहिन का हाव-भाव दिखला रहा था; यानी, वह 'धानी' है। 'घरनी' (धानी) घर छोड़कर मायके भागी जा रही है और उसका घरवाला (पुरुष) उसको मनाकर राह से लौटाने गया है। इस पद के साथ ही ढोलक पर द्रुत ताल बजने लगा-' धागिड़गिड़-धागिड़गिड़-चकैके चकधुम चकैके चकधुम-चकधुम चकधुम !'

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कीचड़-पानी में लथपथ भूखे-प्यासे नर-नारियों के झुंड में मुक्त खिलखिलाहट लहरें लेने लगती है। हम रिलीफ़ बाँटकर भी ऐसी हँसी उन्हें दे सकेंगे क्या! (शास्त्री जी, आप कहाँ है?) बलवाही नाच की बात उठते ही मुझे अपने परम मित्र भोला शास्त्री की याद हमेशा क्यों आ जाती है?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

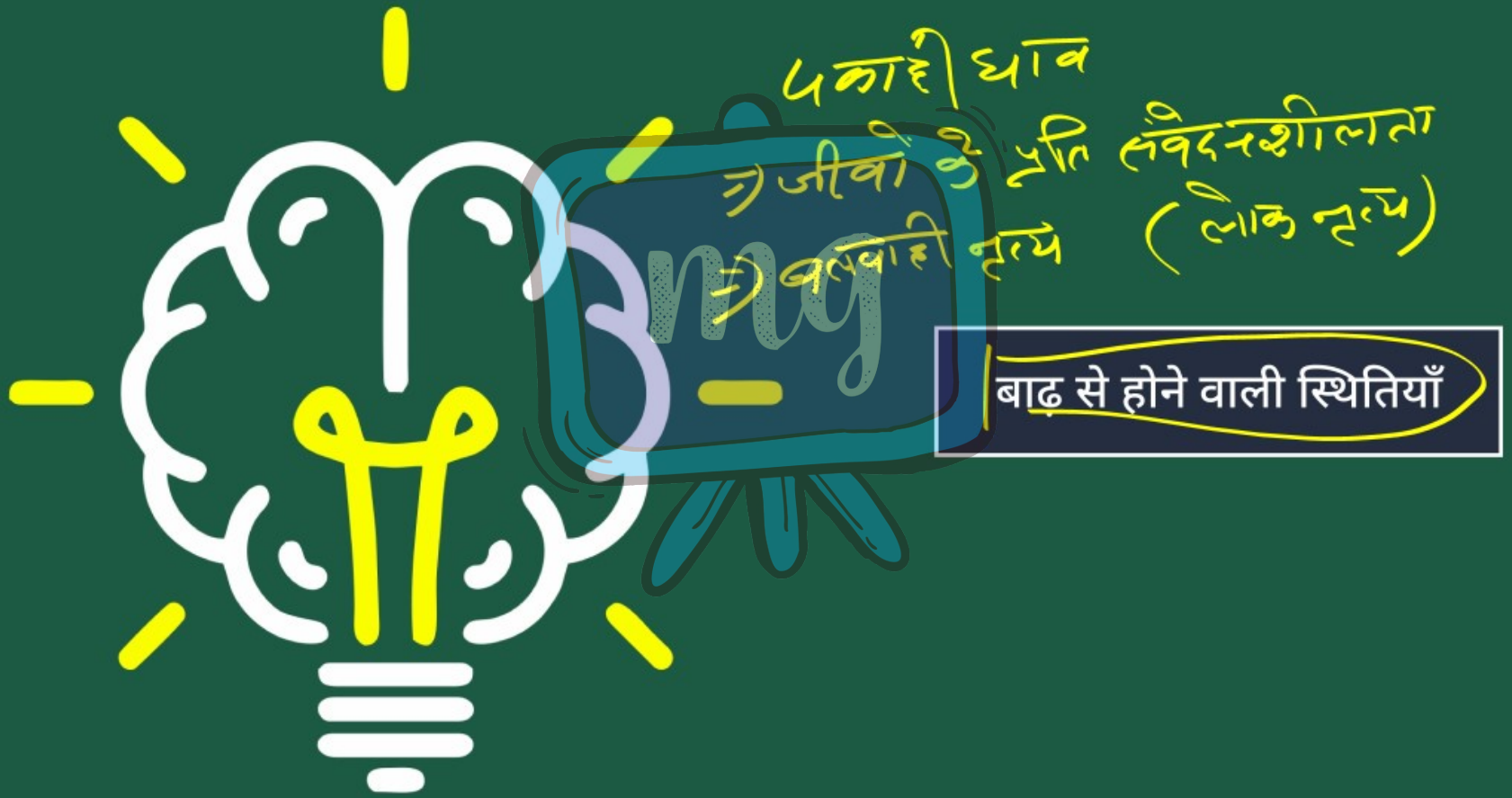

Under CSR Support by ipca Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 'पकाही घाव' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

अ हाथ की चोट

ब नाव से गिरना

स पानी में पैर की उँगलियाँ सड़ जाना

द बाढ़ में सिर में चोट लगना

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2 राहत कार्य के दौरान सबसे पहले लोगों की क्या माँग होती थी?

अ	खाना
ब	दवा और दियासलाई
स	चप्पल और कपड़े
द	पैसे और पानी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3 डॉक्टर साहब को किस बात से 'भीषण भय' हुआ?

अ नाव के पलटने से

ब मरीज की हालत देखकर

स नाव पर चढ़े कुत्ते को देखकर

द पानी की गहराई देखकर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4 बलवाही नाच किस परिस्थिति में हो रहा था?

अ शादी के अवसर पर

ब राहत मिलने की खुशी में

स बाढ़ से घिरे, भूखे-प्यासे हाल में

द मंदिर के उत्सव में

Under CSR Support by ipca Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



5 लेखक को बलवाही नाच की बात पर किसकी याद आ जाती है?

अ सतीनाथ भादुड़ी → गुरुजी

ब डॉक्टर साहब →

स भोला शास्त्री (परम मित्र)

द नटुआ – बलनाही नृत्य